भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव बजाज ने कहा

तेल की वैश्विक कीमतों पर निर्भर करेगा देश का आर्थिक विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर के 7.4 प्रतिशत से 8.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान जताते हुए सोमवार कहा कि यह वैश्विक तेल की कीमतों पर निर्भर करता है।

सीआईआई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजीव बजाज ने कार्यभार संभालने के बाद पहली बार संवाददाताओं से चर्चा में यह अनुमान जताते हुए कहा कि वैश्विक कारकों से होने रहे उतार चढ़ाव और महंगाई को सशक्त सुधारों से काबू में किया जा सकता है तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं को पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को वित्त वर्ष 2032 तक देश को 9 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 10 सूत्री नीति ऐजेंडे का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि घरेलू और बाहरी क्षेत्रों में सुधारों से आर्थिक विकास की संभावनाओं को बल मिलेगा। लघु काल में विकास को गति देने के लिए सरकारी पूंजी निवेश, निजी क्षेत्र निवेश सहायक हो सकता है क्योंकि इससे कुछ क्षेत्रों में मांग बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) से अन्य क्षेत्रों को भी मदद मिली है। बेहतर मानसून से कृषि पैदावार भी बंपर होने और निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है।

महंगाई पर काबू पाने के लिए ईंधन उत्पादों पर कर कम करने के आवश्यकता

बजाज ने कहा महंगाई को तत्काल काबू में करने के लिए ईंधन उत्पादों पर कर को नरम करने की आवश्यकता बताते हुये कहा कि इसमें पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि सीआईआई केन्द्र और राज्यों को भी इन शुल्कों में कमी करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बजाज ने वर्ष 2030-31 तक देश को 9 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था और वर्ष 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की रूखरेखा का उल्लेख करते हुये कहा कि जब भारत की आजादी का 100 वर्ष पूरे होंगे तब 2047 में भारत की अर्थव्यवस्था के 40 लाख करोड़ डॉलर के होने की पूरी क्षमता है। उन्होंने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को विकास के दो इंजन बताते हुये उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना से वित्त वर्ष 2048 तक विनिर्माण क्षेत्र की जीवीए में हिस्सेदारी बढ़कर 27 प्रतिशत हो सकती है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र की भागीदारी भी 53 से 55 प्रतिशत तक हो सकती है। उन्होंने सरकार और उद्योग को समान साझेदार बताते हुये कहा कि जीडीपी में निर्यात की हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए।

ब्याज दर में बढ़ोतरी के बावजूद महंगाई पर काबू पाने में समय लगेगा

नई दिल्ली। एसबीआई के नए शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किये जाने के बाद भी देश में महंगाई दर के सामान्य होने में समय लगेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में लगातार तेजी को देखते हुये यह लगभग सुनिश्चित हो गया है कि आरबीआई जून और अगस्त की बैठक में भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा। आरबीआई अगस्त तक इसे कोरोना महामारी के पूर्व के स्तर 5.15 प्रतिशत के स्तर तक ले जायेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई बढ़ने का भय बना रहेगा और इस बात की संभावना कम है कि इस पर जल्द काबू पाया जा सकेगा। एसबीआई ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में महंगाई पर असर का अध्ययन किया। शोध में फरवरी माह को आधार माह के रूप में लिया गया। फरवरी में ही यह युद्ध शुरू हुआ था। शोध से पता चला कि युद्ध के कारण महंगाई में 52 फीसदी योगदान खाद्य और पेय पदार्थो तथा परिवहन का रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर लागत मूल्य पर युद्ध के प्रभाव को भी इसमें जोड़ा जाये, खासकर एफएमसीजी क्षेत्र में, तो महंगाई में इस युद्ध का योगदान बढ़कर 59 प्रतिशत हो जायेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई के समक्ष चुनौती यह है कि क्या बिना युद्ध के समाप्त हुये सिर्फ ब्याज दरों में बढ़ोतरी करके महंगाई पर काबू पाया जा सकेगा।

पांच कारोबारी दिवस बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी

सेंसेक्स 180 और निफ्टी 60 अंक मजबूत

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, यूटिलिटीज, ऑटो, पावर और रियल्टी समेत 16 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पांच कारोबारी दिवस के बाद तेजी लौट आई। बीएसई का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स सूचकांक 180.22 अंक चढ़कर 52973.84 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी सूचकांक 60.15 अंक बढ़कर 15842.30 अंक पर रहा।

दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली का जोर अधिक रहा है। इस दौरान मिडकैप 1.51 प्रतिशत की तेजी लेकर 22,145.10 अंक और स्मॉलकैप 1.15 प्रतिशत की बढ़त लेकर 25,605.99 अंक पर पहुंच गया।इस दौरान बीएसई में कुल 3577 कंपनियों के शेयरों में कारोबार में हुआ, जिनमें से 2232 में लिवाली जबकि 1165 में बिकवाली हुई वहीं 180 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 33 में तेजी जबकि 16 में गिरावट रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।बीएसई के एफएमसीजी, टेक और आईटी समूह की 0.58 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर 16 समूहों में तेजी रही। सीडीजीएस 1.44, वित्त 1.45, इंडस्ट्रियल्स 1.35, दूरसंचार 2.85, यूटिलिटीज 2.17, ऑटो 2.20, बैंकिंग 1.43, कैपिटल गुड्स 1.30, पावर 2.10 और रियल्टी समूह के शेयर 2.59 प्रतिशत चढ़े।अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.10, जापान का निक्केई 0.45 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि जर्मनी का डैक्स 0.61 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.34 प्रतिशत गिर गया।

सेंसेक्स की 18 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में गिरावट रही

इस दौरान सेंसेक्स की 18 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में गिरावट रही। एनटीपीसी ने सबसे अधिक 3.05 प्रतिशत का मुनाफा कमाया जबकि अल्ट्रासिमको सर्वाधिक 3.01 प्रतिशत के नुकसान में रही। तेजी पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एसबीआई 2.27, मारुति 2.14, एचडीएफसी 1.96, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.57, एचडीएफसी बैंक 1.10, आईसीआईसीआई बैंक 0.85, टाटा स्टील 0.71 और एलटी 0.70 प्रतिशत शामिल रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 153 अंक की तेजी के साथ 52,946.32 अंक पर खुला और मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 53,428.28 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से दोपहर बाद यह 52,632.48 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। संभलने की कोशिशों में कामयाबी पाकर अंत में यह पिछले दिवस के 52,793.62 अंक की तुलना में 0.34 प्रतिशत चढ़कर 52,973.84 अंक पर रहा। इसी तरह 63 अंक मजबूत होकर 15,845.10 अंक पर खुला निफ्टी भी कारोबार के दौरान 15,977.95 अंक के उच्चतम जबकि 15,739.65 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 15,782.15 अंक के मुकाबले 0.38 प्रतिशत की बढ़त लेकर 15,842.30 अंक पर पहुंच गया।

एलआईसी के शेयरों की लिस्टिंग आज

शेयरों का प्राइस बैंड 949 रुपए प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मंगलवार को दलाल स्ट्रीट में एंट्री करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार को 20,557 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए घरेलू निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। सरकार ने एलआईसी के शेयरों का प्राइस बैंड 949 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एलआईसी के पॉलिसीधारकों और रिटेल निवेशकों को क्रमशः 889 रुपये और 904 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर मिलेंगे।

एलआईसी के शेयर अब ग्रे मार्केट में मामूली डिस्काउंट पर कारोबार कर रहे हैं। एलआईसी के शेयर अनऑफिशियल मार्केट में अपने इश्यू प्राइस 949 रुपये के मुकाबले 15-20 रुपये की छूट पर कारोबार कर रहे थे। एलआईसी स्टॉक मंगलवार 17 मई को बीएसई और एनएसई दोनों पर लिस्ट होगा। बता दें कि एलआईसी का आईपीओ 9 मई को बंद हुआ था और 12 मई को बोली लगाने वालों को इसके शेयर आवंटित किए गए। सरकार ने आईपीओ के जरिये एलआईसी के 22.13 करोड़ से अधिक शेयर यानी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की पेशकश की है। इसके लिए कीमत का दायरा 902-949 रुपये प्रति शेयर रखा गया था। एलआईसी के आईपीओ को करीब तीन गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। इसमें घरेलू निवेशकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जबकि विदेशी निवेशकों की प्रतिक्रिया ठंडी रही।

नींबू की कीमतों में 66 व खरबूजा की कीमतों में 16 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। नींबू की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मार्च की गति से 55 प्रतिशत अधिक है। वहीं, खरबूजा की कीमतों में 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। जबकि, मार्च में यह अपस्फीति में था। खुदरा मुद्रास्फीति के बास्केट में 299 आइटम हैं और पिछले सप्ताह के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में उनकी कुल कीमतों में औसतन 7.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आठ साल का उच्च स्तर है।

नींबू, सब्सिडी वाले मिट्टी के तेल और कस्तूरी ने पिछले महीने मुद्रास्फीति में सबसे तेज तेजी देखी। विश्लेषण से पता चलता है कि खुदरा टोकरी में 80 वस्तुओं ने दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति दर्ज की, जो महामारी के प्रकोप के बाद से सबसे अधिक है। मुद्रास्फीति में वृद्धि खाद्य और ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुई। कुछ वस्तुओं के लिए मुद्रास्फीति मार्च के मुकाबले अप्रैल में बढ़ी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में उनके कम वजन के कारण काफी कम रही। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बेचे जाने वाले सब्सिडी वाले मिट्टी के तेल में मार्च में 65 प्रतिशत की तुलना में सीपीआई में शामिल वस्तुओं में सबसे अधिक मुद्रास्फीति दर 91 प्रतिशत दर्ज की गई। मार्च की तुलना में टमाटर, स्टोव और गैस बर्नर, पेट्रोल और डीजल अन्य वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई। सीपीआई बास्केट में 42 प्रतिशत से अधिक मदों में मुद्रास्फीति दर्ज की गई, जो 7.79 प्रतिशत से अधिक थी। लगभग 60 प्रतिशत ने मुद्रास्फीति को 6 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया, जो एक महामारी-युग का उच्च स्तर है। नींबू, टमाटर, मिट्टी का तेल और पेट्रोल सीपीआई बास्केट में बहुत कम जगह लेते हैं, जो कि एक दशक पुराना है। कुल मिलाकर सब्जी मुद्रास्फीति पिछले महीने के 11.6 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गई।

डीटीएच कंपनियों की आठ प्रतिशत लाइसेंस शुल्क हटाने की मांग

नई दिल्ली। डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) कंपनियों ने बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के आठ प्रतिशत का लाइसेंस शुल्क माफ करने की मांग की हैं। दूरसंचार विभाग अभी ब्रॉडबैंड सेवा कंपनियों का लाइसेंस शुल्क माफ करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

ऐसे में अब डीटीएच कंपनियों ने भी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष यह मांग रखी है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय को 11 मई को भेजे एक पत्र में उद्योग निकाय ने कहा कि डीटीएच नेटवर्क की संख्या में तिमाही आधार पर गिरावट आ रही है। डीटीएच एसोसिएशन ने कहा कि इस क्षेत्र में अब तक हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है और एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोगों का रोजगार खतरे में है। डीटीएच निकाय ने यह पत्र दूरसंचार विभाग को भी लिखा है। डीटीएच एसोसिएशन ने उपभोक्ताओं की मदद के लिए लाइसेंस शुल्क हटाने के प्रस्ताव का स्वागत करने के साथ ब्रॉडबैंड कंपनियों की तरह उनके लिए भी यही नीति लागू करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार विभाग को पांच साल के लिए ब्रॉडबैंड सेवाओं पर लाइसेंस शुल्क माफ करने की सिफारिश की है।

मई में पेट्रोल की खपत 14 प्रतिशत बढ़ी

डीजल की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल और डीजल की खपत मई में बढ़ गई। इस दौरान आर्थिक गतिविधियों में तेजी के साथ ही फसल कटाई के मौसम की शुरुआत से मांग में सुधार हुआ। उद्योग द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक मई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री इससे पिछले महीने की समान अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत बढ़ी।

इस दौरान डीजल की मांग 1.8 प्रतिशत बढ़ी, जबकि रसोई गैस की बिक्री 1-15 मई के दौरान में 2.8 प्रतिशत बढ़ी। सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं ने 1-15 मई के दौरान 12.8 लाख टन पेट्रोल बेचा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 59.7 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा 2019 की इसी अवधि की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक है। देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ईंधन डीजल की बिक्री मई के पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर 37.8 फीसदी बढ़कर 30.5 लाख टन हो गई। हालांकि, यह आंकड़ा अप्रैल 2019 की समान अवधि में बिक्री की तुलना में 1.5 प्रतिशत कम है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि मई में खपत बढ़ने की एक वजह फसल कटाई के मौसम की शुरुआत है। इसके अलावा कम आधार प्रभाव के कारण भी बिक्री में वृद्धि हुई।

सोना में गिरावट

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना गिरावट लिए बताया गया। आज सोना 100 रुपये सस्ता बिका। उल्लेखनीय है कि सोना- चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। विदेशी बाजार में सोना 1799 डॉलर तथा चांदी 2110 सेन्ट प्रति औंस बिकी।सोना 51850 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 61300 रुपये प्रति किलोग्राम।चांदी सिक्का 750 रुपये प्रति नग।

कपास्या खली में स्थिरता

इंदौर। पशुआहार कपास्या खली में स्थिरता दर्ज की गई। कपास्या खली इंदौर 2125कपास्या खली देवास 2125कपास्या खली उज्जैन 2125कपास्या खली खंडवा 2100कपास्या खली बुरहानपुर 2100 रुपये प्रति 60 किलोग्राम। कपास्या खली अकोला 3225 रुपये प्रति क्विंटल।

निर्धारित लक्ष्य न हासिल करने पर लगातार दूसरी बार पिछड़ा रेलवे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहा रेलवे, स्टेशनों का आधुनिकीकरण न होने का चलते निर्धारित लक्ष्य से एक बार फिर रेलवे पिछड़ गया है। केंद्र की मोदी सरकार की ओर से दिए गए संपत्ति मुद्रीकरण लक्ष्य को लगातार दूसरी बार रेलवे हासिल करने में नाकाम दिख रहा है। केंद्र ने रेलवे के लिए 57,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन रेलवे केवल 30,000 करोड़ रुपये ही लक्ष्य प्राप्त कर सका। जानकारी के मुताबिक, रेलवे अपने लक्ष्य को इसलिए हासिल नहीं कर पा रहा है, क्योंकि वह निजी क्षेत्र को ट्रेनें चलाने या पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के माध्यम से स्टेशनों का आधुनिकीकरण नहीं कर सका है।पिछले साल केंद्र सरकार ने राष्ट्रव्यापी संपत्ति मुद्रीकरण के लिए 6 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया था।

ईटीएफ ने मार्च तिमाही में की 1.28 अरब डॉलर की निकासी

नई दिल्ली। भारत-केंद्रित विदेशी कोषों और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) ने वित्त वर्ष 2021-22 के अंतिम तीन महीनों में 1.28 अरब डॉलर की निकासी की। यह लगातार 16वीं तिमाही रही जिसमें विदेशी कोषों ने भारतीय बाजार से शुद्ध निकासी की। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2022 को समाप्त चौथी तिमाही में विदेशी कोषों एवं ईटीएफ ने 1.28 अरब डॉलर की निकासी की जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 43.5 करोड़ डॉलर रहा था। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरें बढ़ाने, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता आने और दुनियाभर में मुद्रास्फीति बढ़ने से निवेशकों ने तिमाही के दौरान जोखिम से बचने को तरजीह दी। इसी के साथ विदेशी निवेशकों ने अपेक्षाकृत अधिक जोखिम वाले भारत जैसे उभरते बाजारों से निकलकर सोना या अमेरिकी डॉलर जैसे कहीं सुरक्षित समझे जाने वाले निवेश साधनों में निवेश करना शुरू कर दिया।

सीएनजी की कीमत में दो रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सीएनजी की कीमतों में दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। पिछले दो महीने में यह 12वीं वृद्धि है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार दिल्ली और एनसीआर में सीएनजी की कीमत अब 71.61 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 73.61 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। कीमतों में सात मार्च के बाद यह 12वीं बढ़ोतरी है। इस दौरान कुल मिलाकर सीएनजी की कीमत 17.6 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ी है। सिर्फ अप्रैल में सीएनजी 7.50 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई।आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल में कीमतों में 30.21 रुपये प्रति किलोग्राम या 60 फीसदी की वृद्धि हुई है।

In The Court Of XVI Additional, District Judge,District Court,Bhopal
Presiding Officer : श्रीमती तृप्ति पांडे
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA /0000028/2020)

शाकिर खान......................................वादी
VS
मोहम्मद इरफान खान..................प्रतिवादी

Process Id- /2022 पेशी दिनांक :- 20.06.2022

प्रेषिती (1) मोहम्मद इरफान खान पिता बन्ने खान पता 2505 गुरु नानक कॉलोनी काज़ीकेम्प बैरसिया रोड भोपाल म.प्र.462001

यह कि प्रार्थी शाकिर खान ने आपके विरुद्ध अपील अंतर्गत धारा- 96 व्य.प्र.स.के लिए अपील संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर अपील का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस अपील में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है। तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो अपील की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 05 May 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति पांडे
चौदहवे अति. जिला न्यायाधीश भोपाल म.प्र.

CHANGE OF NAME

I, JC-804975A Sub/AEC Santosh Roy S/o Late Ram Kailash Ray R/o AEC Trg College & Centre Pachmarhi District Narmdapuram, MP would like the change my wife name from **Neelam Roy** to **Nilam Roy**. Henceforth in all dealings & documents she will be known by the **Nilam Roy.**

CHANGE OF NAME

I, JC-804501Y Sub Maj (Hony Lt) Ambilikuttan P S/o Purushothaman R/o AEC Trg College & Centre Pachmarhi District Narmdapuram, MP would like the change my wife name from **P M Shreeletha** to **Shreeletha P M.** Henceforth in all dealings & documents she will be known by the **Shreeletha P M.**

CHANGE OF NAME

I, JC-804975A Sub/AEC Santosh Roy S/o Late Ram Kailash Ray R/o AEC Trg College & Centre Pachmarhi District Narmdapuram, MP would like the change my daughters name from **Ku. Nancy** to **Nancy Roy**. Henceforth in all dealings & documents she will be known by the **Nancy Roy.**

Aspire Home Finance Corporation Limited
ASPIRE HOME FINANCE A Motilal Oswal Group Company
मोतीलाल ओसवाल टॉवर, रहीमतुल्लाह सयानी रोड, अपोजिट एसटी डिपो, प्रभादेवी, मुम्बई-400025
सीआईएन :- U65923MH2013PLC248741

आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति/यों के लिए)

जहाँ कहीं एस्पायर होम फायनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के तौर पर अधोहस्ताक्षरकर्ता ने सिक्यूरीटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेन्सियल एस्सेटस एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इंट्रस्ट कानून 2002का नियम 8 (1) के अनुपालन के साथ सिक्युरिटी इंट्रस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 का नियम 3 के साथ सपठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए संबंधित ऋणकर्ताओं को प्रत्येक खातें में वर्णित राशि का पुर्नभुगतान उपरोक्त सूचना (ओ)की प्राप्ति दिनांक /सूचना की दिनांक से 60 दिवस में करने हेतु बुलाया गया था।

ऋणकर्ता/ओं राशि का भुगतान करने में असफल रहे है, इस एतद सूचना द्वारा ऋणकर्ता/ओं को एवं सामान्य जनों को सार्वजनिक रूप में यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्त कानून की धारा 13(4) के साथ सपठित उपरोक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत उनको/उन्हे प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रत्येक खाते के समक्ष दर्शायी गयी दिनांक को नीचे वर्णित सम्पत्ति/यों पर अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणकर्ता/ओ को विशेष रूप में एवं सामान्य जनों को सार्वजनिक रूप में चेतावनी दी जाती है कि इन संपत्ति/यों के साथ कोई व्यवहार ना करें एवं संपत्ति के साथ कोई व्यवहार ऋण अनुबंध के अनुसार देय ब्याज एवं राशि के लिए एस्पायर होम फायनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड के शुल्क के विषयानुसार होगी। ऋणकर्ता ध्यान देवें कि धरोहर सम्पत्ति को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समयसीमा हेतु कानून की धारा 13 का उप सेक्शन (8) के प्रावधानों के अनुसार आमंत्रित किया जाता है।

स. क्रं.	ऋण खाता संख्या / ऋणकर्ता / सह-ऋणकर्ता/ जमानतदार का नाम	मांगपत्र का दिनांक एवं शेष ऋण राशि	अधिग्रहण का दिनांक	गिरवी संपत्ति/यों का विवरण
1.	LXBHO00314-150002880 नवदीप सिंह एवं मंजीत कौर	04-10-2021 रू. 32,36,199/- के लिये	13.05.2022	एक आवासीय प्लॉट नं.-102, राजस्व सर्वे नं.-826, 888, 889, टॉप टाऊन कॉलोनी, ग्राम खामखेड़ा, हुजूर, भोपाल, मध्य प्रदेश-462023

स्थान: मध्य प्रदेश
दिनांक : 17-05-2022
अनुवाद में त्रुटि या विसंगति होने पर अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

हस्ता/-
प्राधिकृत अधिकारी,
(एस्पायर होम फायनेंस कार्पोरेशन लि.)

Aavas FINANCIERS LTD
SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA

आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड
(पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020

कब्जा नोटिस

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात)** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002''की धारा 13(12)और सहपठित प्रतिभूति हित(प्रवर्तन)नियम के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र जारी किया गया। नीचे तालिका में उनके सामने दर्शाए अनुसार राशि का मांग पत्र प्राप्ति के 60 दिन के अंदर भुगतान करने की मांग की गयी। यह है कि ऋणी सम्बंधित राशियों का भुगतान करने में विफल रहे अत: ऋणीयों तथा आम जनता को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13(4)सहपठित नियम 9 के नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में नीचे वर्णित सम्पत्तियों का अधिपत्य तालिका में उनके सामने दर्शाई गई दिनांक को ग्रहण कर लिया है। ऋणियों व जमानतियों को विशिष्टया तथा सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। इन सम्पत्तियों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार निम्न खातों के सामने दर्शाई गई बकाया राशि तथा उन पर ब्याज व खर्चो के लिए आवास फाईनेंस **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड(पूर्व में''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड''के नाम से ज्ञात)** के प्रभार के अध्यधीन होगा।

ऋणी का नाम	धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख एवं प्रकार
भूषण कुमार, श्रीमती रोमिला सिंह ठाकुर खाता स. LNBHO02119-200128704 & LNBHO01819-200132389	8 मार्च 2022 ₹ 2902252.00/- व ₹ 966484.00/- बकाया दिनांक 7 मार्च 2022 तक	सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं.-06, सर्वे नं. 131/69/1/2 का हिस्सा, 131/ 69/ 2/ 2, 131/ 69/ 2/ 1, 131/ 69/ 1/ 3/ 1, 131/ 69/ 1/ 3/ 2, 131/ 69/ 2/ 1, 131/ 69/ 3/ 3, पी.एच. नं. 5/8, शिव ओम ग्रीन पार्क, जैल रोड, नेवारी, वार्ड नं. 75, हुजुर, भोपाल, मध्य प्रदेश **क्षेत्रफल 102.23 वर्ग मीटर**	सांकेतिक कब्जा दिनांक 13 मई 22
रीना यादव, जितेन्द्र यादव जमानतदार : जितेन्द्र यादव खाता सं. LNDEW00717-180067178	8 मार्च 2022 ₹ 1742010.00/- बकाया दिनांक 7 मार्च 2022 तक	प्लॉट नं. 67, स्थित भूमि सर्वे नं. 120/1 121/1, ग्राम घनश्यामपुरा, तहसील आस्था, सिहोर, मध्य प्रदेश **क्षेत्रफल 800 वर्ग फीट**	सांकेतिक कब्जा दिनांक 13 मई 22

स्थान : जयपुर दिनांक 17-05-2022 प्राधिकृत अधिकारी आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

फॉर्म जी
रूचि प्रदर्शन के लिये आमंत्रण

इन्सोल्वेंसी एंड बैंकरप्सी (इन्सोल्वेंसी रिसोल्यूशन प्रोसेस फॉर कॉर्पोरेट पर्सन्स) रेगुलेशन्स, 2016 के रेगुलेशन 36ए (1) के अंतर्गत

संबंधित विवरण

1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	केसर मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट देनदार के समावेशन की तिथि	30/09/2011
3.	प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट देनदार समावेश/ पंजीकृत है	आरओसी-मुंबई
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/ कॉर्पोरेट देनदार का सीमित देयता पहचान नंबर	यू74120एमएच2011पीएलसी222597
5.	कॉर्पोरेट देनदार का पंजीकृत कार्यालय और मुख्य कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	ओरिएंटल हाउस, 7, जमशेदजी टाटा रोड चर्चगेट, मुम्बई-400 020
6.	कॉर्पोरेट देनदार के दिवालियेपन के प्रारंभ होने की तिथि	17/02/2002 (आदेश दिनांक 17/02/2022 की प्रति अंतरिम समाधान पेशेवर द्वारा 04/03/2022 को प्राप्त किया गया था)
7.	रूचि प्रदर्शन आमंत्रण की तिथि	17.05.2022
8.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के अंतर्गत प्रस्ताव आवेदकों की पात्रता	https://www.kesarmultimodal.com/
9.	धारा 29ए के अंतर्गत लागू अपात्रता के मानक उपलब्ध हैं:	https://www.kesarmultimodal.com/
10.	रूचि प्रदर्शन प्राप्ति की अंतिम तिथि	01.06.2022
11.	भावी प्रस्ताव आवेदकों की प्रोवीजनल लिस्ट का जारी होना	10.06.2022
12.	प्रोवीजनल लिस्ट पर आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि	15.06.2022
13.	भावी प्रस्ताव आवेदकों की अंतिम लिस्ट का जारी होना	25.06.2022
14.	इन्फोरमेशन मेमोरेन्डम, इवेल्यूशन मैट्रिक्स एवं भावी प्रस्ताव आवेदकों के प्रस्ताव योजनाओं के जारी होने की तिथि	15.06.2022
15.	समाधान योजना, इवेल्यूशन मैट्रिक्स, इन्फोरमेशन मेमोरेन्डम एवं अन्य जानकारी प्राप्त करने का तरीका	समाधान पेशेवर रिक्वेस्ट फॉर रिजॉल्यूशन प्लान/ इवैल्यूएशन मैट्रिक्स/ इंफॉर्मेशन मेमोरेंडम को इलेक्ट्रॉनिक रूप में केवाईसी के सत्यापन के पश्चात्, आईबीसी, 2016 की धारा 29 ए के तहत प्रबंधन की क्षमता और योग्यता में निवेश करने की क्षमता और पूर्व-योग्यता साझा करेंगे।
16.	समाधान योजनाओं को जमा करने की अंतिम तिथि	26.07.2022
17.	समाधान पेशेवर को समाधान योजनाओं को प्रस्तुत करने का तरीका	क्रमांक 21 के सामने उल्लेखित ईमेल आईडी पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में।
18.	निर्णय प्राधिकरण के पास स्वीकृति के लिये समाधान योजना जमा करने की अनुमानित तिथि	जैसे ही, लेनदारों (सीओसी)की समिति द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है।
19.	समाधान पेशेवर का नाम और पंजीकरण संख्या	श्री प्रशांत जैन पंजी. सं.: (आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी01368/2018-2019/12131)
20.	समाधान पेशेवर के बोर्ड के साथ पंजीकृत नाम पता और ई-मेल	श्री प्रशांत जैन पता: ए 501, शांति हाइट्स, प्लॉट नंबर 2, 3, 9, बी/10, सेक्टर 11, कोपरखराइन, ठाणे नवी मुंबई महाराष्ट्र-400 709 ईमेल: ipprashantjain@gmail.com
21.	समाधान पेशेवर के बोर्ड के साथ संपर्क हेतु पता और ई-मेल पता	बी/610, बीएसईएल टेकपार्क, ओप्पो, वाशी रेलवे स्टेशन, वाशी , नवी मुंबई-400 703. ईमेल: kmllcirp@gmail.com
22.	अधिक जानकारी निम्न में या इस पर उपलब्ध है	https://www.kesarmultimodal.com/
23.	फॉर्म जी के प्रकाशन की तिथि	17.05.2002

सीए प्रशांत जैन
समाधान पेशेवर
पंजीकरण सं.: आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी01368/2018-2019/12131
दिनाँक: 17.05.2022
स्थान: मुम्बई